MPSE 007

Social Movements and Politics in India.

IMPORTANT QUESTIONS

Answers in hindi and English both

PART-8

Link of other parts in given in description or in pinned comment….

Scholarly Minds

TOPIC-1

RELIGIOUS MOVEMENTS IN INDIA

Bhakti Movement

The Bhakti Movement emerged in medieval India, emphasizing devotion to a personal god and rejecting caste distinctions. It focused on loving devotion towards a personal deity, be it Vishnu, Shiva, or any other god.

भक्ति आंदोलन मध्यकालीन भारत में उभरा, जिसमें एक व्यक्तिगत भगवान की भक्ति पर जोर दिया गया और जातिगत भेदभाव को खारिज किया गया। यह एक व्यक्तिगत देवता के प्रति प्रेमपूर्ण भक्ति पर केंद्रित था, चाहे वह विष्णु हों, शिव हों या कोई अन्य देवता हों।

Sufi Movement

The Sufi Movement, parallel to the Bhakti Movement, was a mystical Islamic movement emphasizing love and devotion to

God. Sufi saints, known as Sufis, promoted a message of universal brotherhood and compassion.

सूफी आंदोलन, भक्ति आंदोलन के समानांतर, एक रहस्यमय इस्लामी आंदोलन था जिसमें भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति पर जोर दिया गया। सूफी संत, जिन्हें सूफी कहा जाता है, ने सार्वभौमिक भाईचारे और करुणा का संदेश फैलाया।

Arya Samaj

Arya Samaj, founded by Swami Dayananda Saraswati in 1875, aimed at reforming Hindu society by emphasizing the teachings of the Vedas. It opposed idol worship and promoted values like education and gender equality.

आर्य समाज, जिसकी स्थापना स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875 में की थी, ने वैदिक शिक्षाओं पर जोर देकर हिंदू समाज में सुधार का लक्ष्य रखा। इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया और शिक्षा और लिंग समानता जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया।

Brahmo Samaj

Brahmo Samaj, established by Raja Ram Mohan Roy in 1828, aimed to purify Hinduism and promote monotheism. It worked against social evils like sati, child marriage, and caste discrimination.

ब्रह्म समाज, जिसकी स्थापना राजा राम मोहन रॉय ने 1828 में की थी, ने हिंदू धर्म को शुद्ध करने और एकेश्वरवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा। इसने सती प्रथा, बाल विवाह और जातिगत भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ काम किया।

Sikhism

Scholarly Minds

Sikhism, founded by Guru Nanak in the 15th century, emerged as a distinct religion promoting devotion to one God and social equality. It rejects caste distinctions and emphasizes community service.

सिख धर्म, जिसकी स्थापना 15वीं शताब्दी में गुरु नानक ने की थी, एक विशिष्ट धर्म के रूप में उभरा जिसने एक ईश्वर की भक्ति और सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया। यह जातिगत भेदभाव को अस्वीकार करता है और सामुदायिक सेवा पर जोर देता है।

Theosophical Society

The Theosophical Society, established in India by Annie Besant and others in 1875, aimed to explore spiritual truths and promote universal brotherhood. It influenced the Indian freedom struggle and social reforms.

थियोसोफिकल सोसाइटी, जिसकी स्थापना 1875 में एनी बेसेंट और अन्य लोगों ने भारत में की थी, का उद्देश्य आध्यात्मिक सच्चाइयों का अन्वेषण करना और सार्वभौमिक भाईचारे को बढ़ावा देना था। इसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और सामाजिक सुधारों को प्रभावित किया।

Ramakrishna Mission

Founded by Swami Vivekananda in 1897, the Ramakrishna Mission aimed to promote the teachings of Sri Ramakrishna and engage in social service. It focuses on spiritual development and humanitarian work.

रामकृष्ण मिशन, जिसकी स्थापना स्वामी विवेकानंद ने 1897 में की थी, का उद्देश्य श्री रामकृष्ण की शिक्षाओं को बढ़ावा देना और सामाजिक सेवा में संलग्न होना था। यह आध्यात्मिक विकास और मानवीय कार्यों पर केंद्रित है।

Scholarly Minds

TOPIC-2

WOMEN MOVEMENTS IN INDIA

Early Reform Movements

In the 19th century, social reformers like Raja Ram Mohan Roy and Ishwar Chandra Vidyasagar initiated movements against practices such as sati and child marriage. They advocated for women's education and widow remarriage.

19वीं सदी में, राजा राम मोहन रॉय और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसे सामाजिक सुधारकों ने सती और बाल विवाह जैसी प्रथाओं के खिलाफ आंदोलन शुरू किए। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और विधवा पुनर्विवाह की वकालत की।

Women's Indian Association (WIA)

Founded in 1917 by Annie Besant, Margaret Cousins, and others, the WIA aimed to promote women's rights and education. It played a significant role in advocating for women's suffrage in India.

1917 में एनी बेसेंट, मार्गरिट कजिन्स और अन्य द्वारा स्थापित, WIA का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और शिक्षा को बढ़ावा देना था। इसने भारत में महिलाओं के मताधिकार के लिए वकालत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

All India Women's Conference (AIWC)

Scholarly Minds

Established in 1927, AIWC focused on social and educational reform. It worked towards women's empowerment through education, healthcare, and legal rights.

1927 में स्थापित, AIWC ने सामाजिक और शैक्षिक सुधार पर ध्यान केंद्रित किया। इसने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कानूनी अधिकारों के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में काम किया।

Chipko Movement

In the 1970s, the Chipko Movement saw rural women in Uttarakhand hugging trees to prevent their cutting. This environmental movement highlighted the role of women in protecting natural resources.

1970 के दशक में, चिपको आंदोलन में उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाओं ने पेड़ों की कटाई रोकने के लिए उन्हें गले लगाया। इस पर्यावरणीय आंदोलन ने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा में महिलाओं की भूमिका को उजागर किया।

Self-Employed Women's Association (SEWA)

Founded in 1972 by Ela Bhatt, SEWA aimed at empowering women in the informal sector. It provides them with resources, training, and support to enhance their livelihoods.

1972 में एला भट्ट द्वारा स्थापित, SEWA का उद्देश्य अनौपचारिक क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाना था। यह उन्हें आजीविका बढ़ाने के लिए संसाधन, प्रशिक्षण और समर्थन प्रदान करता है।

Anti-Dowry Movement

In the 1980s, women's organizations campaigned against dowry-related violence and deaths. This movement led to

Scholarly Minds

stricter laws and increased awareness about the dowry system's evils.

1980 के दशक में, महिला संगठनों ने दहेज से संबंधित हिंसा और मौतों के खिलाफ अभियान चलाया। इस आंदोलन ने सख्त कानूनों और दहेज प्रथा की बुराइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का नेतृत्व किया।

Narmada Bachao Andolan

Led by Medha Patkar in the 1980s and 1990s, this movement protested against the displacement of communities due to dam construction on the Narmada River. It emphasized the impact on women and children.

1980 और 1990 के दशकों में मेधा पाटकर के नेतृत्व में, इस आंदोलन ने नर्मदा नदी पर बांध निर्माण के कारण समुदायों के विस्थापन के खिलाफ विरोध किया। इसने महिलाओं और बच्चों पर प्रभाव पर जोर दिया।

#MeToo Movement

In recent years, the #MeToo movement gained momentum in India, with women coming forward to share their experiences of sexual harassment and assault. This movement has increased awareness and called for accountability.

हाल के वर्षों में, #MeToo आंदोलन ने भारत में गति पकड़ी, जिसमें महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और हमले के अपने अनुभवों को साझा करना शुरू किया। इस आंदोलन ने जागरूकता बढ़ाई और जवाबदेही की मांग की।

Scholarly Minds

Women's Reservation Bill

The Women's Reservation Bill, seeking to reserve 33% of seats in the Lok Sabha and state legislative assemblies for women, has been a significant focus of women's movements. It aims to enhance women's political representation.

महिला आरक्षण विधेयक, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करने की मांग की गई है, महिलाओं के आंदोलनों का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। इसका उद्देश्य महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ाना है।

Scholarly Minds